pharma science™
the indian ayurveda

ट्रेनिंग मैन्युअल ऑफ़ “**एंटी - पाइल्स कम्पलीट रेसोलुशन ट्रीटमेंट**”
फॉर नर्सिंग स्टाफ & डॉक्टर्स

<u>पाठ 1</u>"एंटी पाइल्स कम्पलीट रेसोलुशन" के उपचार के लिए आवश्यक सहायक उपकरण.

a. डिस्पोजेबल हाथ के दस्ताने।

b. सेवलोन एंटीसेप्टिक तरल (लिक्विड) (केवल सेवलोन)।

c. लिग्नोकाइन हाइड्रोक्लोराइड जेल (Xylocaine)।

d. प्रोक्टोस्कोप|

e. एंटीबायोटिक गोलियां (उदाहरण: - एमोक्सिसिलिन)
डॉक्सीसाइक्लिन, सेफैलेक्सिन, सिप्रोफ्लोक्सासिन, क्लिंडामाइसिन, मेट्रोनिडाजोल, एज़िथ्रोमाइसिन, सल्फामेथॉक्साज़ोल)।

f. कॉटन बड्स (कपास की कलियां)|

g. टेटनस वैक्सीन (इंजेक्शन)।

h. एंटीबायोटिक इंजेक्शन (उदाहरण: - lynx)।

i. माइक्रोफोम टेप।

j. वैसलीन पेट्रोलियम जेली (गैर स्वाद, मूल शुद्ध वैसलीन केवल)।

k. ड्रेसिंग कॉटन रोल|

l. लंगोट|

j. लिथोटॉमी स्थिति उपकरण।

k. इलेक्ट्राल पाउडर।

(नोट: - हमेशा एक बेसिक एक्सेसरीज के रूप में एक ग्लास बाउल, हेयर स्टिक और वॉटर ड्रॉपर लें।)

<u>पाठ 2</u>:- सावधानियों के साथ पहले चरण की दवा का प्रयोग।.

a. "एंटी-पाइल्स कम्प्लीट रेजोल्यूशन" के उपचार से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि मरीजों को बवासीर की सतह के आसपास कोई घाव नहीं है।

b. उपचार शुरू करने के 48 से 72 घंटों से पहले; हेमोरहोइड (मसा) के आसपास के सभी बालों को हटा दें और हेमोरहोइड (मसा) के आसपास की सतह को साफ करें।

c. उपचार से पहले सुनिश्चित करें कि रोगियों को कोई त्वचा विकार नहीं है जैसे: - खुजली, दाने, दाद, सोरायसिस, एलर्जी आदि|

d. पहले चरण की दवा के उपचार और आवेदन के बारे में बुनियादी जानकारी के लिए उपचार प्रदर्शन वीडियो(ट्रीटमेंट डेमोंस्ट्रेशन वीडियो) देखें।

e. उपचार शुरू करने से कम से कम 24 घंटे पहले रोगी को टिटनेस का पहला इंजेक्शन लगायें।

f. पहले चरण की दवा लगाने के लिए, उपचार प्रदर्शन वीडियो के आधार पर रोगी को लिथोटॉमी स्थिति पर लगाए; याद रखना चाहिए कि दवा केवल पाइल्स की सतह पर ही लगानी है।

g. पहले चरण की दवा को लगाने से पहले, पाइल्स के आसपास की सतह पर एक माइक्रो-फोम टेप लगाए, जिस पर वैसलीन की एक परत बनाते हैं, ताकि दवाएं आस-पास की सतहों पर फैल न सकें।

h. यदि पहले चरण की दवा बवासीर के आसपास की त्वचा में फैल गई है, तो इसे कॉटन बड्स (कपास की कलियों) की मदद से अच्छी तरह से साफ करें।

(नोट: - रोगी को यह जानकारी देना अनिवार्य है कि पहले चरण के उपचार के दौरान रोगी को पूर्ण बेड रेस्ट के लिए प्रतिबंधित किया गया है।)

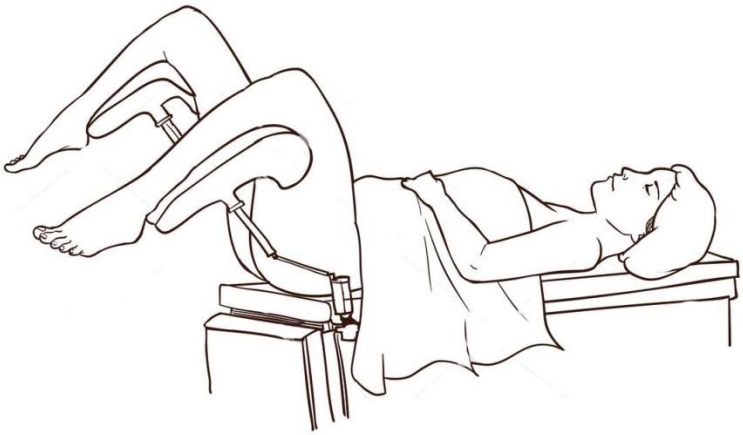

लिथोटॉमी पोजीशन

(पहले चरण के उपचार के लिए)

पाठ 3:-

a. दूसरे चरण की दवा की तैयारी में, उचित अनुपात में घी की मात्रा लें ताकि दवा चिपचिपी न हो और बवासीर के आसपास घाव न बनें।.

b. यदि किसी रोगी के उपचार में दूसरे चरण की दवा की कमी है, तो ऐसी स्थिति में, 15 से 20 ग्राम शुद्ध हल्दी को 300 ग्राम आटे में मिलाकर, दूसरे चरण की दवा का एक विकल्प बनाया जा सकता है, लेकिन जागरूक रहें इस स्थिति में " दूसरे चरण की किट दवा " कम से कम 3 दिनों के लिए लगानी चाहिए।

c. बवासीर की जड़ से गिरने के बाद, टेटनस के दूसरे इंजेक्शन को लगाने के बाद हीलिंग उपचार शुरू किया जाना चाहिए।

d. घाव भरने के उपचार प्रदान करने के लिए घाव के अवलोकन के आधार पर, रोगियों को ड्रेसिंग, इंजेक्शन और दवा दी जानी चाहिए।

(नोट: - दूसरे चरण के उपचार के दौरान, रोगी को ज्यादातर समय साधारण कठोर सतह पर बैठना पड़ता है; यह भी जान लें कि लंगोट (लंगोट) जो दवा का आधार है, कसकर बंधा हुआ है।)

<u>सिटींग पोजीशन</u>

(फॉर सेकंड फेज)